

સત્સંગ શિક્ષણ પરીક્ષા

બોયાસણવાસી શ્રી અક્ષરપુરુષોત્તમ સ્વામિનારાયણ સંસ્થા, શાહીબાગ, અમદાવાદ - 380 004.

સત્સંગ પરિચય - ૧ SATSG PARICHAY - 1

રવિવાર, 18 જુલાઈ, 2004

સમય : સવારે 9 થી 11:15

કુલ ગુણ : 75

વર્ખિંડમાં હાજર રહેલ પરીક્ષાર્થીએ જાતે જ પોતાની વિગત દર્શાવતું સ્ટીકર લગાવવું. સ્ટીકર વગરની જવાબવહી માન્ય ગણાશે નહીં.

(The examinee should personally apply the sticker bearing his/her details. **Answer book without sticker will be invalid.**)

આ ચોરસમાં
સ્ટીકર લગાવવું.
**(Apply
Sticker Here)**

ગેરહાજર પરીક્ષાર્થીની જવાબવહી ઉપર સ્ટીકર લગાવવાનું નથી.
(Do not apply sticker of absent examinees.)

પરીક્ષાર્થીએ જાતે ભરવાની વિગત (To Be Filled by Examinee)

Examinee's Seat No. (In Numerics)

--	--	--	--	--	--

(પરીક્ષાર્થીનો બેઠક ક્રમાંક (અંકડામાં))

AGE OF EXAMINEE (ઉંમર).....

EDUCATION OF EXAMINEE (અભ્યાસ)

પરીક્ષાર્થીએ લગાડેલ સ્ટીકર તથા ઉપરની વિગતોની સત્યતાની ચકાસણી કર્યા પછી જ વર્ગસુપરવાઇઝરે સહી કરવી.

(Exam Supervisor should only sign after checking the sticker and the written details above.)

વર્ગસુપરવાઇઝરની સહી

(Signature of Exam Supervisor)

મોડરેશન કાર્યાલય માટે જ	પ્રશ્ન નંબર	મેળવેલ ગુણ
	1	
	2	
	3	
	4	
	5	
	6	
	7	
	8	
	9	
	10	
	11	
	12	
	13	
	કુલ ગુણ	

 પાછળ લખેલી સૂચનાઓનું અવશ્ય પાલન કરવું.

(Please follow the instructions written on the back side.)

પેપર તપાસનાર (પરીક્ષક) ની સહી

.....

(विभाग- १ : सहजानंद चरित्र)

प्र.१ निम्नलिखित वाक्य कौन, किससे और कब कहता है यह लिखिए।

[६]

१. “समस्त शास्त्रों का साररूप गुरु का वचन ।”

कौन कहता है ? किसे कहता है ?

कब ?

२. “बेटे, क्यों रो रहे हो ?”

कौन कहता है ? किसे कहता है ?

कब ?

३. “हमारा स्वरूप इस साधु के रूप में यहाँ रखा है ।”

कौन कहता है ? किसे कहता है ?

कब ?

प्र.२ निम्नलिखित विधानों के बारे में कारण दीजिए। (दो से तीन पंक्तियों में)

[६]

१. क्षत्रिय समाज कन्या को पैदा होते ही दूध में डूबोकर मार डालते थे ।

.....

.....

.....

२. महाराज ने सब का कल्याण करने का निश्चय किया ।

.....

.....

.....

३. मंदिर के व्यवस्था के लिए महाराज ने आचार्यों की नियुक्ति की ।

.....

.....

.....

प्र. ३ निम्न में से किन्हीं दो प्रसंग पर मुद्दासर विवरण लिखें। (बारह पंक्ति में) (वर्णनात्मक)

[८]

१. मुक्तानंद स्वामी के भ्रम का नाश ।

२. मीठा व्हाला केम विसरुं ?

३. कबूतर के कबूतर ।

४. साधुओं के आचरण की रीति ।

प्रसंग :

.....

.....

.....

प्रसंगः

प्र. ४ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए।

[४]

१. महाराज ने 'स्वामिनारायण' महामंत्र कहाँ और कब दिया ?

२. महाराज की परीक्षा करते हुए किसे अंधापन मिला ?

३. महाराज ने लालजी बढ़ई को किस गाँव में दीक्षा दी ? उसका क्या नाम रखा ?

४. महाराज ने मेमका के किन चार हरिभक्तों को गाँव छोड़ने की आज्ञा दी ?

प्र. ५ निम्नलिखित विधानों के विकल्पों में से सही विकल्पों के क्रमांक लिखें।

[४]

नोंद : एक विकल्प से ज्यादा (दो और तीन भी) विकल्प सही हो सकते हैं। सभी विकल्प सही होने पर ही गुण दिए जाएंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा।

१. महाराज ने गढ़डा में प्रथम कौन-सी मूर्ति किसके द्वारा विधिविधान करवाकर प्रतिष्ठित की ?

(अ) वासुदेव नारायण (ब) शिवराम भट्ट (क) सूर्यनारायण (ड) मयाराम भट्ट

जवाब :

२. श्रीजीमहाराज ने भूज और अहमदाबाद मंदिरों के महंत के रूप में किस की नियुक्ति की ?

(अ) अक्षरानन्द स्वामी (ब) विरक्तानन्द स्वामी

(क) सर्वज्ञानन्द स्वामी (ड) वैष्णवानन्द स्वामी

जवाब :

प्र. ६ निम्नलिखित विधानों में रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।

[४]

१. अहमदाबाद में अंग्रेज सत्ता स्थापित होते ही प्रथम कलेक्टर नियुक्त हुए।

२. निष्कुलानन्द स्वामी ने में इमली की डाली पर एक सुंदर झुला बाँधकर महाराज को झुलाया।

३. महाराज ने गाँव में गोपालानन्द स्वामी को अपने प्रकट होने के छः हेतु समझाए।

४. संवत् १८७८ के के दिन अहमदाबाद में नरनारायण देव की मूर्तिप्रतिष्ठा की।

(विभाग - २ : सत्संग वाचनमाला भाग-२)

प्र. ७ निम्नलिखित वाक्य कौन, किससे और कब कहता है यह लिखिए।

[६]

१. “हम तुम्हारे दोनों पुत्रों की देखभाल करेंगे ।”

कौन कहता है ? किसे कहता है ?

कब ?

२. “दीनानाथ ! इस समय आप यहाँ कैसे ?”

कौन कहता है ? किसे कहता है ?

कब ?

३. “आप की सेवा महाराज की सेवा है ।”

कौन कहता है ? किसे कहता है ?

कब ?

प्र. ८ निम्नलिखित विधानों के बारे में कारण दीजिए। (दो से तीन पंक्ति में ।)

[४]

१. महाराज ने कहा : “दादा तो दादा ही हैं । ऐसा दूसरा और कोई नहीं हो सकता ।”

.....
.....
.....

२. मूलजी ब्रह्मचारी ने सुतारबाई को घी, गुड़ वापस भेजे ।

.....
.....
.....

प्र. ९ निम्न में से किन्हीं एक प्रसंग पर मुद्दासर विवरण लिखें । (पंद्रह पंक्ति में) (वर्णनात्मक)

[५]

१. नित्यानंद स्वामी का अहमदाबाद में दिग्विजय ।

२. दादाखाचर की निष्ठा ।

३. शास्त्रीजी महाराज द्वारा की गई जागा भक्त की अंतिम सेवा ।

प्रसंग :

.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....
.....

प्र. १० निम्न प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए।

[8]

१. जागा भक्त कौन-सी तीन चीज़े देखना मना करते थे ?

२. ज्ञान-यज्ञ की जोड़ी अर्थात् क्या ?

३. प्रेमानंद स्वामी को दीक्षा देकर क्या नाम रखा गया ?

४. जब पिताजी विवाह करने की सोच रहे थे, तब मूलजी ब्रह्मचारी ने पिता को क्या कहा ?

प्र. ११ निम्नलिखित वाक्यों में से केवल पाँच सही वाक्य को ढूँढकर सिर्फ उसके नंबर लिखें।

[4]

प्रसंग :- लाडबा को शास्त्र में प्रतीति हुई ।

१. गढ़पुर में अन्कुट का उत्सव था । २. महाराज ने थाल में रखें व्यंजनों की खूब प्रशंसा की । ३. महाराज ने लाडुबा के यहाँ सच्चिदानन्द स्वामी को जीमने के लिए भेजा । ४. महाराज ने लाडुबा को दुर्वासा की घटना का स्मरण कराया । ५. श्रीजीमहाराज ने कहा : “शास्त्र में जो लिखा है वह सत्य है । इसका उत्तर किसी दिन देंगे ।” ६. नित्यानन्द स्वामी सात दिन से भूखे थे । ७. लाडुबा को संशय हुआ कि, “दुर्वासा ने गोपियों द्वारा ले जाए गए सभी खाद्य पदार्थ स्वयं अकेले ही खा लिए थे ?” ८. लाडुबा ने श्रीजीमहाराज और पचास हरिभक्तों को जीमने के लिए बुलाए । ९. संतों की पंक्ति में महाराज ने सभी संतों को खूब जिमाया । १०. सच्चिदानन्द स्वामी तैयार किया गया सभी खाना चट कर गए, फिर भी भूखे रहे । ११. देखो, इन्हें हमारा कितना विश्वास है । - एसा श्रीजीमहाराज ने कहा ।

केवल नंबर :-

प्र. १२ निम्नलिखित वाक्य सही हैं या गलत, यह लिखकर गलत वाक्यों को सुधारकर फिर से लिखिए। [४]

१. नित्यानन्द स्वामी ने 'हरिदिग्विजय' ग्रंथ की रचना की ।

1

२. गोपीनाथजी मूर्ति में से प्रकट होकर मूलजी ब्रह्मचारी को हार देते थे ।

1

३. कृष्णजी अदा कहते थे, “आज योगीजी महाराज जैसा त्यागी साधु कोई नहीं है ।”

1

४. “ब्रह्मचारी के जोड़ीदार तो पहले से ही तय हैं - मूलानंद और अखंडानंद ।”

1

(विभाग - ३ : निबंध)

प्र. १३ निम्नलिखित किसी एक विषय पर करीब तीस वाक्य में निबंध लिखिए।

[१६]

१. स्त्रियों के सच्चे हिंतचिंतक - सहजानंद स्वामी ।
 २. BAPS की बालप्रवृत्ति - जीवन घडतर की पाठशाला ।
 ३. “योगोजी का शुभ संकल्प, सुफल कर रहे हैं, गुरु प्रमुखस्वामी महाराज, संत-सातसों का दिव्य समाज, धूम रहा है देश-विदेश आज ।”

निबंध :

